05-02-2023

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
दि ग्राम टूडे
कानपुर, सीत

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रायोगिक चीनी मिल में पेराई सत्र का हुआ आरंभ

दि ग्राम टुडे, कानपुर ।

(भरत पांडे)आपको बता दें कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ,कानपुर की प्रायोगिक चीनी मिल में पेराई सत्र का आरंभ पारंपरिक पूजन विधि के साथ किया गया। राष्ट्रीय सरकार संस्थान विश्व का एकमात्र ऐसा शर्करा संस्थान है जहां विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को संस्थान में ही संयंत्र पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस प्रयोगशाला का संचालन 45 दिन के लिए किया जाएगा और इस दौरान संस्था के ही फार्म में उपजे गन्ने को पेराई के लिए उपयोग में लाया जाएगा।संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि प्रायोगिक चीनी मिल कई मायने में इकलौती ऐसी चीनी मिल है जिसमें कच्ची रिफाइंड चीनी के अलावा औद्योगिक श्वेत शर्करा भी तैयार की जाती है, जिससे विद्यार्थियों को इन सभी से जुड़े विषयों पर पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके ।उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान के विद्यार्थियों को इसके कारण उच्च कोटि के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान भी प्राप्त होता है ,जिससे उनकी स्वीकार्यता भारत में ही नहीं अपितु विश्व में बढ़ जाती।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रायोगिक चीनी मिल में पेराई सत्र का आरंभ

आज का कानपुर

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रायोगिक चीनी मिल में पेराई सत्र का आरंभ पारंपरिक पूजन विधि के साथ किया गया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान विश्व का एकमात्र ऐसा शर्करा संस्थान है जहाँ विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को संस्थान में ही संयंत्र पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस प्रयोगशाला का संचालन 45 दिनों के लिए किया जाएगा और इस दौरान संस्थान के ही फार्म में उपजे गन्ने को पेराई के लिए उपयोग में लाया जाएगा।संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि प्रायोगिक चीनी मिल कई मायने में एकलौती ऐसी चीनी मिल हे जिसमे कच्ची, रिफाइंड चीनी के अलावा औद्योगिक

श्वेत शर्करा भी तैयार की जाती है जिससे विद्यार्थियों को इन सभी से जुड़े विषयों पर पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान के विद्यार्थियों को इसके कारण उच्च कोटी के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान भी प्राप्त होता है जिससे उनकी स्वीकार्यता भारत में ही नहीं, अपितु विश्व में बढ़ जाती है।शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने कहा कि संस्थान में विद्यार्थियों को गन्ने के उपज से लेकर चीनी के उत्पादन और प्रबंधन तक का व्यापक व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। संस्थान में कई नई प्रजातियों के गन्ने को विकसित किया गया है इससे विद्यार्थियों को गन्ने की गुणवत्ता मूल्यांकन की पद्धति का ज्ञान प्राप्त होगा। इसके साथ ही चीनी कारखानों से जुड़े पर्यावरण संबंधी चिंताओं को भी ध्यान में रखना है। अत: इस वर्ष विद्यार्थियों को जल प्रबंधन और उत्प्रवाह शोधन के विभिन्न तकनीकों के बारे भी प्रशिक्षित करने पर बल दिया जाएगा।संस्थान में इस प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण पर पर्याप्त कार्य किया गया है जिससे विद्यार्थियों को सार्थक प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। इसके लिए वेरिएबल फ्रिक्वेंसी ड्राइव,कंटीन्यूअस एवं पूर्णत: स्वचालित बैच प्रकार के सेंट्रीफ्यूगल और रोटरी जूस स्क्रीन आदि स्थापित किए गए हैं।

इसके साथ ही इस संयंत्र की दक्षता में सुधार के लिए और भी कई अन्य उपकरणों को जोड़ने की योजना पर कार्य चल रहा है जिससे विद्यार्थियों को इन आधुनिक उपकरणों के बारे जानकारी प्राप्त हो सके।

महानगर

आज अख़बार

एनएसआई की प्रायोगिक चीनी मिल में पेराई शुरू

पारंपरिक पूजन–विधि के साथ किया गया शुभारंभ

शुभारंभ करते एनएसआई निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन।

कानपुर, 4 फरवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई), कानपुर की प्रायोगिक चीनी मिल में पेराई सत्र का शुभारंभ शनिवार को पारंपरिक पूजन-विधि के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि प्रायोगिक चीनी मिल कई मायनों में एकलौती ऐसी चीनी मिल है जिससे कच्ची, रिफाइंड चीनी के अलावा औद्योगिक श्वेत शर्करा भी तैयार की जाती है। इससे विद्यार्थियों को इन सभी से जुड़े विषयों पर पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके। शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने कहा कि संस्थान में विद्यार्थियों को गन्ने की उपज से लेकर चीनी के उत्पादन और प्रबंधन तक का व्यापक व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। इस वर्ष विद्यार्थियों को जल प्रबंधन और उत्प्रवाह शोधन की विभिन्न तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित करने पर बल दिया जायेगा।

Links for Digital NEWS

- Kanpur News: राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में छात्र गन्ना उगाने से लेकर शक्कर बनाना सीखेंगे। कानपुर के राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (National Sugar Institute Kanpur) में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के आधार पर छात्रों को आत्मनिर्भर मॉडल बनाया गया है. जहां प्रत्येक बैच के छात्रों के लिए प्रायोगिक चीनी मिल में 45 दिनों का सत्र रखा गया है।

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रायोगिक चीनी मिल में पेराई सत्र का आरंभ।

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का पेराई सत्र हुआ प्रारंभ।